



Silk Brijwasi

Exclusive designer collection...

Part. 01



सुखी नैऋतिके जगत्सु सुख
प्रथम इन्दिरा साधुसु सु।
सुखी नैऋतिके जगत्सु सुख
प्रथम इन्दिरा साधुसु सु।



सुखी नैऋतिके जगत्सु सुख
प्रथम इन्दिरा साधुसु सु।



D.NO. 3504





Siddharth
— 116 41115

D.NO. 3503



D.NO. 3502



सर्वोत्तमं कर्मणाम्
सर्वोत्तमं हि
सर्वोत्तमं कर्मणाम्



सर्वोत्तमं कर्मणाम्
सर्वोत्तमं हि
सर्वोत्तमं कर्मणाम्



D.NO. 3501



शांतिदाशये साधुजातसः
त्वमेसिजोवरश्रित्तिषां दुष्ता ।
सुरतकाथं तेऽशुभकामिका
अहं निष्कतोऽहं किं वयं



नमो भ
श्रय
योग्यं न
सर्वत्र प्रतापवस्त्रां प्रियं





D.NO. 3505

Silk Brijwasi



● D.NO. 3501

● D.NO. 3502

● D.NO. 3503





D.NO. 3506

सिद्धार्थ
रजनी
सिद्धार्थ
सिद्धार्थ



D.NO. 3504

D.NO. 3505

D.NO. 3506

वसुधैव कुटुम्बकम्
शब्दं वि
सो तावक
त्वा विनि